जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 186 प्रभात जालोर, शुक्रवार 11 अक्टूबर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अपराधी या तो अपराध छोड़ दें या प्रदेश-भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने गृह विभाग तथा भर्ती परीक्षाओं की समीक्षा की

जयपुर, 10 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को चाकचौबंद बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ काम करे। उन्होंने कहा कि कानून का इकबाल बुलंद रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इसे सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं एवं अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के प्रति अपराधों में कमी लाने के लिए पुलिस तंत्र की हौसला अफ़ज़ाई की। वहीं, साइबर अपराध और अवैध नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर गृह विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपराधियों में पुलिस का खौफ इतना होना चाहिए कि या तो वे अपराध छोड़ दें अथवा प्रदेश छोड़कर चले जाएं। राज्य में अराजकता और अशांति फैलाने का इरादा रखने वाले असामाजिक तत्वों की रोकथाम के लिए पुलिस खुफिया तंत्र और मुखबिर व्यवस्था का बेहतरीन उपयोग करते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करे। शर्मा ने कहा कि साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस लगातार काम कर रही है तथा साइबर थानों का गठन भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस की सजगता व सतर्कता के कारण राज्य स्तर पर कुल अपराधों में 7.3 प्रतिशत की कमी आई है। साथ ही, महिला अत्याचारों में भी 8.8 प्रतिशत की कमी तथा अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार के मामलों में भी 13.96 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारकोटिक्स विभाग जिम्मेदारी तय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गृह विभाग की समीक्षा बैठक ली तथा अधिकारियों को प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद बनाने के निर्देश दिए।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग की सजगता व सतर्कता से राज्य में अपराधों का ग्राफ गिरा है। गत वर्ष की तुलना में राज्य में कुल अपराधों में 7.3 प्रतिशत, महिला अत्याचार में 8.8 प्रतिशत तथा एस.टी.-एस.सी. अत्याचार मामलों में 13.96 प्रतिशत कमी आई है।**
- **उन्होंने कहा कि, भर्ती प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने के लिये भर्ती एजेन्सियों, विभिन्न विभागों के समान पदों की परीक्षायें एक साथ करने पर विचार करें।**

द.कोरिया की हान काँग को मिला साहित्य नोबल पुरस्कार

स्टॉकहोम, 10 अक्टूबर। दक्षिण कोरिया की लेखिका हान कांग को वर्ष 2024 का साहित्य का नोबल पुरस्कार देने का एलान किया गया है। उन्हें काव्यात्मक गद्य के लिए इस सम्मान के लिए चुना गया है। स्वीडिश अकादमी की नोबल समिति के स्थाई सचिव मैट्स माल्म ने गुरुवार को लेखिका हान कांग को पुरस्कार देने की घोषणा की। लेखिका हान कांग की पुस्तकों में "द वेजिटेरियन", "द व्हाइट बुक", "ह्यूमन एक्ट्स" और "ग्रीक लेसन्स" प्रमुख रूप से शामिल हैं। हान कांग का जन्म 1970 में दक्षिण कोरिया के शहर ग्वांगजू में हुआ था, लेकिन नौ साल की उम्र में ही वह अपने परिवार संग सोल चली गई थीं। तिरेपन वर्षीय हान कांग साहित्यिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भी प्रतिष्ठित उपन्यासकार हैं। नोबल समिति के अनुसार लेखिका हान कांग को "गहन काव्यात्मक गद्य के लिए" यह सम्मान दिया जाएगा जिसमें ऐतिहासिक आघातों और मानव जीवन के नाज़ुक मोड़ों को रेखांकित किया गया है। हान कांग ने करियर की शुरुआत 1993 में "लिटरेचर एंड सोसाइटी"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **हान काँग को काव्यात्मक गद्य के लिए यह सम्मान दिया गया है। हान के पिता भी जाने माने साहित्यकार थे।**

सैमसंग के चेन्नई प्लांट में हड़ताल, सत्तारुढ़ डी.एम.के. और सहयोगी दल आमने-सामने

डी.एम.के. सैमसंग मैनेजमैंट के पक्ष में कांग्रेस, वामपंथी दल व अन्य दल मजदूरों के पक्ष में खड़े हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। तमिलनाडु में धर्मनिरपेक्ष दलों के मजबूत गठबंधन, जिसने राज्य में कदम जमाने के भाजपा के प्रयासों को विफल कर दिया था, में तनाव के संकेत दिखने लगे हैं, खासकर, चेन्नई में सैमसंग संयंत्र में हुई हड़ताल पर भारी मतभेद उभर रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने अपनी छवि "बिज़नैस फ्रैंडली" बना रखी है और वे निवेश को आकर्षित करने के लिए कुछ दिन पहले अमेरिका भी गए थे। सैमसंग के मामले में उनका रुझान मैंनेजमैंट की तरफ है, जबकि द्रमुक के सहयोगी दल कांग्रेस और वामपंथी दल हड़ताल कर रहे मजदूरों के साथ है।

चेन्नई के सैमसंग प्लांट में मजदूरों की हड़ताल दूसरे माह में प्रवेश कर गई है और इस मुद्दे का कोई समाधान होता नज़र नहीं आ रहा है।

लेकिन इस हड़ताल ने सत्तारूढ़ गठबंधन को दो भागों में बांट दिया है। द्रमुक मजदूरों और मैनेजमैंट के बीच हुई समझौता वार्ता में पार्टनर बनी थी, पर इस डील को श्रमिकों ने नकार दिया, क्योंकि सरकार द्वारा आयोजित त्रिपक्षीय चर्चा में मजदूरों का कोई प्रतिनिधि नहीं था। सैमसंग कामगारों की नई बनी यूनियन ने कहा कि वे श्रमिकों के प्रतिनिधि नहीं थे। मुख्य झगड़ा नई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **मजदूरों की हड़ताल को दूसरा माह शुरु हो गया है और जब कांग्रेस, वामपंथी दलों व अन्य क्षेत्रीय सहयोगी दलों के नेता हड़ताली मजदूरों के धरना स्थल पर पहुँचे तो स्टालिन सरकार तिलमिला गई और बुधवार को मजदूरों पर पुलिस कार्यवाही की, मजदूरों के नेताओं को गिरफ्तार कर लिया और उनके टैंट हटा दिए गए।**
- **सैमसंग प्लांट में वामपंथी दलों से जुड़े श्रमिक संगठनों ने जब हड़ताल की थी तब स्टालिन निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका गए थे, इस हड़ताल को स्टालिन ने "विश्वासघात" माना।**
- **गुस्साए स्टालिन ने ना तो मजदूरों की नई बनी ट्रेड यूनियन को रजिस्टर होने दिया और ना ही सैमसंग प्रबंधन के समक्ष मजदूरों का पक्ष रखा।**
- **राजनैतिक विशेषज्ञों की नज़र इस बात पर है कि यह मतभेद आगे चलकर कहीं गठबंधन टूटने की वजह तो नहीं बन जाएगा।**

अमेरिका के पूर्ण समर्थन के बावजूद इज़रायल अपना बहुप्रचारित आक्रमण प्लान क्रियान्वित क्यों नहीं कर रहा?

क्या ईरान की हायपर सॉनिक मिसाइल एटैक करने की क्षमता ने इज़रायल के मन में हिचकिचाहट पैदा की है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। हाल ही में युनाइटेड स्टेट्स के नेताओं, जिनमें राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल हैं, की टिप्पणियों ने ईरान के विरुद्ध इज़रायल की संभावित हमलों की योजनाओं पर फिर से ध्यान केन्द्रित किया है, जिससे देश की तेल और परमाणु संपत्तियों के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। किसी भी हमले का भारी क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव हो सकता है।

ईरान का एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर, जो कि यू.एस. प्रतिबंधों के बावजूद इस देश की इकॉनमी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, अब चिंता व तनाव का मुख्य कारण है। नैशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के आकलन के अनुसार ईरान के पास लगभग 208 बिलियन बैरल क्रूड ऑयल तथा 34 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर नैचुरल गैस है, जिसमें संभावित रुप से प्रतिदिन 568 मिलियन बैरल तेल और 93 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस निकाली जाती है। तथापि, ईरान की सेना किसी भी संभावित इज़रायली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इज़रायल के आक्रमण प्लान के अनुसार, ईरान के न्यूक्लियर प्रतिष्ठान व पेट्रोलियम के भण्डार पर हवाई आक्रमण भी शामिल है। पर, ईरान भी जवाबी हमले के लिये तैयार है।**
- **अगर, हमले पर जवाबी हमले की प्रक्रिया जारी रही तो, उसके विश्वव्यापी भयानक परिणाम हो सकते हैं।**
- **अमेरिका का विश्वास है कि ईरान-इज़रायल हमलों का लम्बा इतिहास है और हर दो-तीन साल में छोटी-मोटी झड़प में दोनों देश आर-पार की लड़ाई की धमकी देते दिखाई देते हैं। पर, फिर उफान शांत हो जाता है।**
- **अतः अमेरिका शांतिपूर्ण तरीके से आर्थिक प्रतिबंध आदि कदमों से ईरान को बांध देना चाहता है, पर, पूर्ण आर-पार की लड़ाई नहीं चाहता।**
- **पर, युद्ध में सभी पत्ते आप के हाथ में नहीं होते हैं, अतः आर-पार की लड़ाई की आशंका बनी तो रहती है।**

सर्च ऑपरेशन से 30 किलोमीटर दूर पैंथर ने गाय का शिकार किया

उदयपुर, (कासं)। जिले की गोगुंदा तहसील क्षेत्र में पैंथर का मूवमैंट रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जिन इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, वहां से करीब 30 किमी दूर पैंथर ने एक गाय का शिकार किया है। गांव वालों को इसकी जानकारी गुरुवार सुबह हुई। गांव वालों ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जंगली जानवरों को पकड़ा जाए, नहीं तो हम धरना देंगे। ढोल ग्राम पंचायत के सरदारपुरा गांव में बुधवार रात पैंथर ने लाल सिंह, पुत्र सरदार सिंह के बाड़े में बंधी गाय को शिकार बनाया। लाल सिंह को इसकी जानकारी सुबह हुई। सरपंच मोहनलाल गमेती ने कहा कि प्रशासन पैंथर से हमारी रक्षा करे, पिंजरा लगाए। ग्रामीण कालू सिंह ने कहा कि हम लोगों की जान खतरे में है। कब, किधर से पैंथर गांव में आ धमकेंगे, पता नहीं चलता। अभी तो गाय को शिकार बनाया और अगर इसी तरह चलता रहा तो गांव वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ढोल ग्राम पंचायत के सरदारपुरा गाँव में लाल सिंह के बाड़े में बँधी गाय का पैंथर ने बुधवार की रात शिकार किया।**

हरियाणा के चुनाव की सबसे उल्लेखनीय बात थी, चुनाव का स्थानीयकरण होना

इस "लोकलाइज़ेशन" का पूर्ण फायदा भाजपा को हुआ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भाजपा की हरियाणा-नीति की सर्वोत्तम व्याख्या "गो लोकल" नारे से की जा सकती है। हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की अप्रत्याशित जीत के लिए मंगलवार को हुई मतगणना के बाद से ही अनेकानेक कारण और व्याख्याएं सामने आ रही हैं। उनमें से कुछ सही हैं- जाट बनाम गैर-जाट की भावना का व्यावहारिक रूप में आना, तथा इस साल के शुरू में भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री को बदल दिया जाना, जैसी कुछ और बातें भी कही जा रही हैं। पर कई कारण सही नहीं भी हैं।

"यह विश्लेषण "स्वराज्य" द्वारा उन लोगों से की गई बातचीत पर आधारित है जो हरियाणा में भाजपा एवं कांग्रेस के प्रचार अभियान से जुड़े हुए थे। कांग्रेस और भाजपा के बीच वोट-शेयर का अन्तर केवल 0.85 प्रतिशत है। अगर दक्षिणी हरियाणा की मुस्लिम बाहुल्य वाली सीटों को अलग कर दिया जाये, जहाँ कांग्रेस बड़े अन्तर से जीतनी ही थी, तो यह अन्तर 1.3-1.5 प्रतिशत तक पहुँच सकता है। कांग्रेस के पक्ष में हुए मतदान में निश्चित रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस बार पार्टी को 2019 के विधानसभा चुनावों की अपेक्षा 11 प्रतिशत वोट अधिक मिले हैं। कांग्रेस का वोट-शेयर 28.2 प्रतिशत से बढ़कर 39 प्रतिशत हो गया है।

भाजपा का वोट-शेयर भी 2014 से लगातार बढ़ रहा है। ये चुनाव ज्यादा नजदीकी टक्कर वाले इसलिए बन गए, क्योंकि भाजपा के 10 साल सत्ता में रहने के बावजूद, उसका वोट-शेयर बढ़ गया। अधिकांश चुनाव-विशेषज्ञों तथा कांग्रेस का प्रचार करने वाले लोगों को ऐसी सम्भावना का कमोबेश अनुमान नहीं था। चुनाव के अन्तिम स्थिति तक पहुँचते-पहुँचते यह बात चुनावों के राजनैतिक प्रबन्धन तथा एक दर्जन सीटों की प्रभावोत्पादकता पर निर्भर हो गई थी कि सरकार किस पार्टी की बनेगी। कांग्रेस तथा उसके रणनीतिकार यह माने हुए थे कि उनके पक्ष में पर्याप्त हवा है, इसलिए इन बातों का कोई महत्व नहीं है। उनके इस अति आत्मविश्वास का प्राथमिक कारण यह था कि आई.एन.एल.डी.-जे.जे.पी. वोटिंग ब्लॉक ध्वस्त हो गया था तथा राज्य के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा का आमतौर पर, हरियाणा में चुनाव प्रचार का फोकस 60-65 प्रतिशत राष्ट्रीय मुद्दों पर होता था तथा बाकी जगह भाजपा कॉन्स्टिट्युएंसी स्तर के स्थानीय मुद्दों पर फोकस करती थी।**
- **पर, इस बार हरियाणा में यह उल्टा किया गया। 70 प्रतिशत फोकस कॉन्स्टिट्युएंसी स्तर के मुद्दे पर रहा तथा बाकी राष्ट्रीय मुद्दों पर।**
- **भाजपा ने हरियाणा के विधानसभा के चुनाव को इस तरह लड़ा जैसे कि, नब्बे अलग-अलग चुनाव लड़ रही है।**
- **इसी नीति के तहत, हर कॉन्स्टिट्युएंसी में "वोट काटू" उम्मीदवारों पर विशेष ध्यान दिया गया।**
- **यह "वोट काटू" चाहे कांग्रेस का बागी हो या निर्दलीय प्रत्याशी, या वो उम्मीदवार हो, जिसका प्रभाव कुछ सीमित मतदाताओं पर हो, जिसके चाहने वालों की बड़ी लम्बी सूची हो, सबको बहुत मेहनत और लगन से रोपा गया, एक सुनियोजित प्लान के तहत।**
- **अतः हालांकि हरियाणा में दोनों पार्टियों का वोट शेयर लगभग बराबर रहा हो (भाजपा का वोट शेयर केवल 0.85 प्रतिशत ज्यादा था), पर चुनाव के नतीजों में इसका भारी फर्क पड़ा।**

स्विमिंग पूल के अश्लील वीडियो वाले आर.पी.एस. की बहाली के आदेश

जयपुर, 10 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने महिला कॉंस्टेबल के साथ स्विमिंग पूल का अश्लील वीडियो जारी होने के बाद आर.पी.एस. हीरालाल सैनी को बर्खास्त करने के एक अक्टूबर, 2021 के आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को तीन माह में वेतन और समस्त परिलाभ के साथ पुनः समान पद पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **महिला कॉन्स्टेबल के साथ स्विमिंग पूल का अश्लील वीडियो जारी होने के बाद अक्टूबर 2021 में बर्खास्त हुए आर.पी.एस. हीरालाल सैनी को हाई कोर्ट ने पुनः समान पद पर सेवा में लेने के आदेश दिये हैं।**

अल्प प्रवास पर अजमेर पहुँचे पायलट का भव्य स्वागत हुआ

उन्होंने किशनगढ़ व पुष्कर में शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी

अजमेर, 10अक्टूबर (कासं)। पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट अपने अल्प दौरे पर जब अजमेर पहुंचे तो गेगल टोल नाका और अजमेर सर्किट हाउस पर कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने गेगल टोल पर पायलट को 51 किलो की माला व साफा पहनाया तथा पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक विकास चौधरी, पूर्व विधायक राकेश पारीक, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। सचिन पायलट ने भाजपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि जनता की सुध लेने वाला कोई नहीं, मंत्री इस्तीफा दे रहे हैं, इस्तीफा स्वीकार नहीं हो रहा है, इससे प्रदेश की जनता पिस रही है।

मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव का जो परिणाम सामने आया है वो अप्रत्याशित है। कांग्रेस नेतृत्व ने इस मामले में चुनाव आयोग से लिखित शिकायत की है। लेकिन हरियाणा चुनाव के नतीजे से यह समझना गलत होगा कि इंडिया गठबंधन कमजोर हो गया है। हरियाणा चुनाव परिणाम का आने वाले महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में कोई असर नहीं पड़ेगा। जम्मू कश्मीर के चुनाव नतीजों को लेकर पायलट ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रैंस के साथ कांग्रेस का गठबंधन जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है और अब एक मजबूत सरकार जम्मू कश्मीर के विकास के लिए काम करेगी।

प्रदेश में सात सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर पायलट ने कहा कि सभी सीटों पर कांग्रेस जीत दर्ज करेगी। महाराष्ट्र व झारखंड, दो राज्यों में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला फाइनल हो चुका है। भाजपा "वन नेशन वन इलेक्शन" की बात करती है, लेकिन, 4 राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं करा सकती। ये लोग कहते कुछ और करते कुछ हैं।

मदनगंज-किशनगढ़ संवाददाता के अनुसार, सचिन पायलट ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजू गुप्ता की माताजी के देहावसान पर शोक संतृप्त परिजनों को सांत्वना दी और माताजी की तस्वीर के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित किये। करीब बीस मिनिट राजू गुप्ता के आवास पर रुकने के बाद पायलट पुष्कर के लिये रवाना हो गये। तत्पश्चात आर के कम्युनिटी सेंटर में विराजित जैन आचार्य सुनील सागर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। टोल प्लाजा पर पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, एडवोकेट राकेश शर्मा के नेतृत्व में सैकडों कार्यकर्ताओं ने पायलट का अभिनंदन किया।

पुष्कर संवाददाता के अनुसार, गुरुवार को पुष्कर में सचिन पायलट ने गोपाल गुर्जर के परिवार से मुलाकात की और कांग्रेस कार्यकर्ता रहे स्व. गोपाल गुर्जर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कुछ दिनों पूर्व गोपाल गुर्जर का आकस्मिक देहांत हो गया था। पुष्कर के अंबेडकर सर्किल के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट का माला पहनकर स्वागत किया।

- **उन्होंने कहा, हरियाणा के अप्रत्याशित परिणामों से यह समझना गलत होगा कि इण्डिया गठबंधन कमज़ोर हो गया है। महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनावों पर हरियाणा का कोई असर नहीं होगा।**

अल्प प्रवास पर अजमेर आए सचिन पायलट ने सर्किट हाउस में स्थानीय नेताओं से चर्चा की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर पायलट का स्वागत किया।

सी.एम. ने प्रधानमंत्री का आभार जताया

जयपुर, 10 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के लिए कर हस्तांतरण की राशि के रूप में 10 हजार 737 करोड़ रुपये एवं सड़क नेटवर्क के विकास के लिए 4 हजार 406 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इन सौगातों से प्रदेश में जनकल्याणकारी कार्यों एवं आधारभूत विकास को नई गति और विकसित राजस्थान के संकल्प को और अधिक मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की ओर से राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **मुख्यमंत्री ने कर हस्तांतरण के रुप में राजस्थान को 10,753 करोड़ तथा सड़क तंत्र के लिये 4,406 करोड़ रूपये स्वीकृत करने के लिये प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया।**